# भाववाचक संज्ञा

# Abstract Noun)

## परिभाषा एवं रचना

# संज्ञा की परिभाषा

- किसी भी व्यक्ति, वस्तु, जाति, भाव या स्थान के नाम को ही संज्ञा कहते हैं। **जैसे** – मनुष्य, पशु (जाति), मॉरीशस, अमेरिका, भारत (स्थान), बचपन, मिठास (भाव), पुस्तक, मेज़ (वस्तु) आदि।

# संज्ञा के तीन भेद

- व्यक्तिवाचक संज्ञा – Proper Noun
- जातिवाचक संज्ञा – Common Noun
- **भाववाचक संज्ञा – Abstract Noun**

# भाववाचक संज्ञा - परिभाषा

## भाववाचक संज्ञा / Abstract Noun

- ऐसे संज्ञा शब्द जिनको प्रत्यक्ष रूप से तो नहीं देखा जा सकता, किन्तु अप्रत्यक्ष (मन) रूप से अनुभव किया जाता है, उन शब्दों को भाववाचक संज्ञा कहते हैं। जिन संज्ञा शब्दों से किसी की अवस्था, गुण, दोष, धर्म, दशा आदि का बोध हो वे भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं।

# भाववाचक संज्ञा के उदाहरण

**जवानी / मोटापा** – जीवन की अवस्था

**मिठास** – भोजन का गुण

अन्य उदाहरण –

क्रोध, हर्ष, यौवन, बचपन

# भाववाचक संज्ञा की रचना

भाववाचक संज्ञा शब्दों की रचना किसी जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय शब्दों में, किसी-न-किसी प्रत्यय के जुड़ने से होती है।

# जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा की रचना

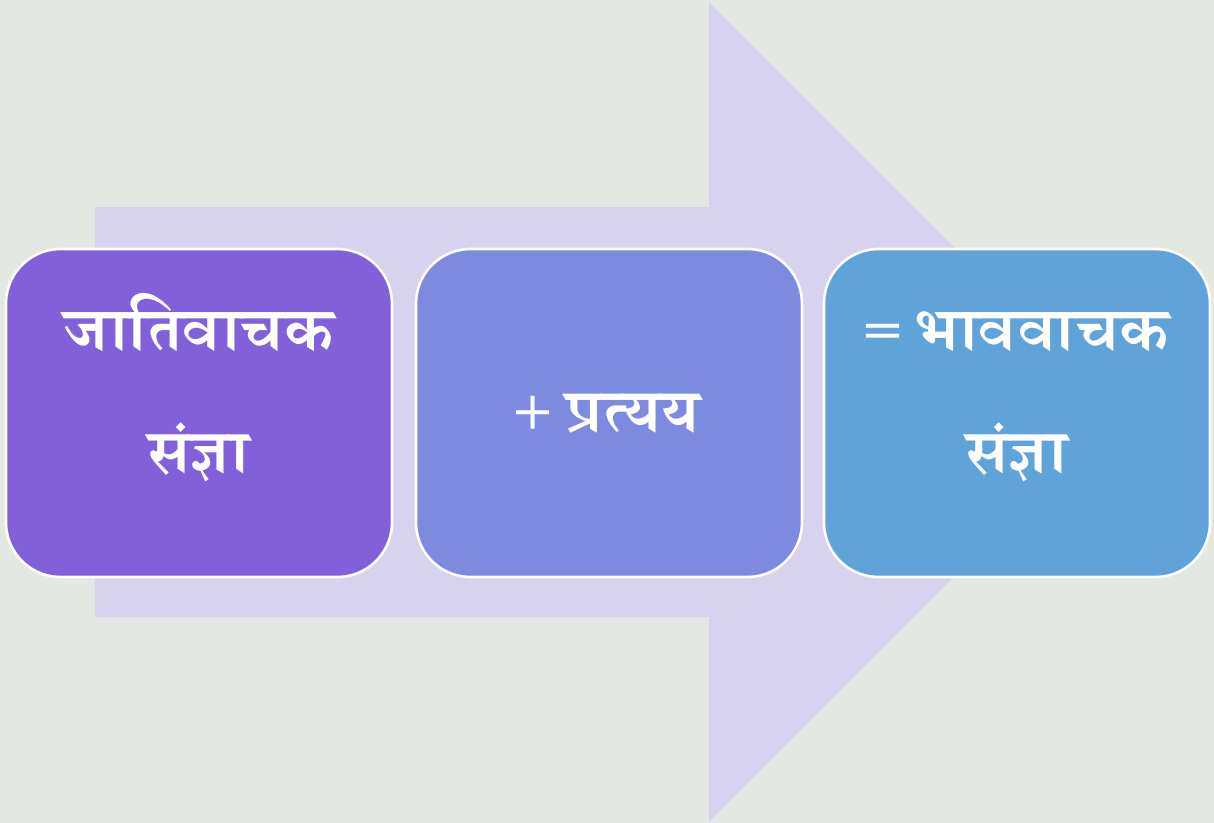


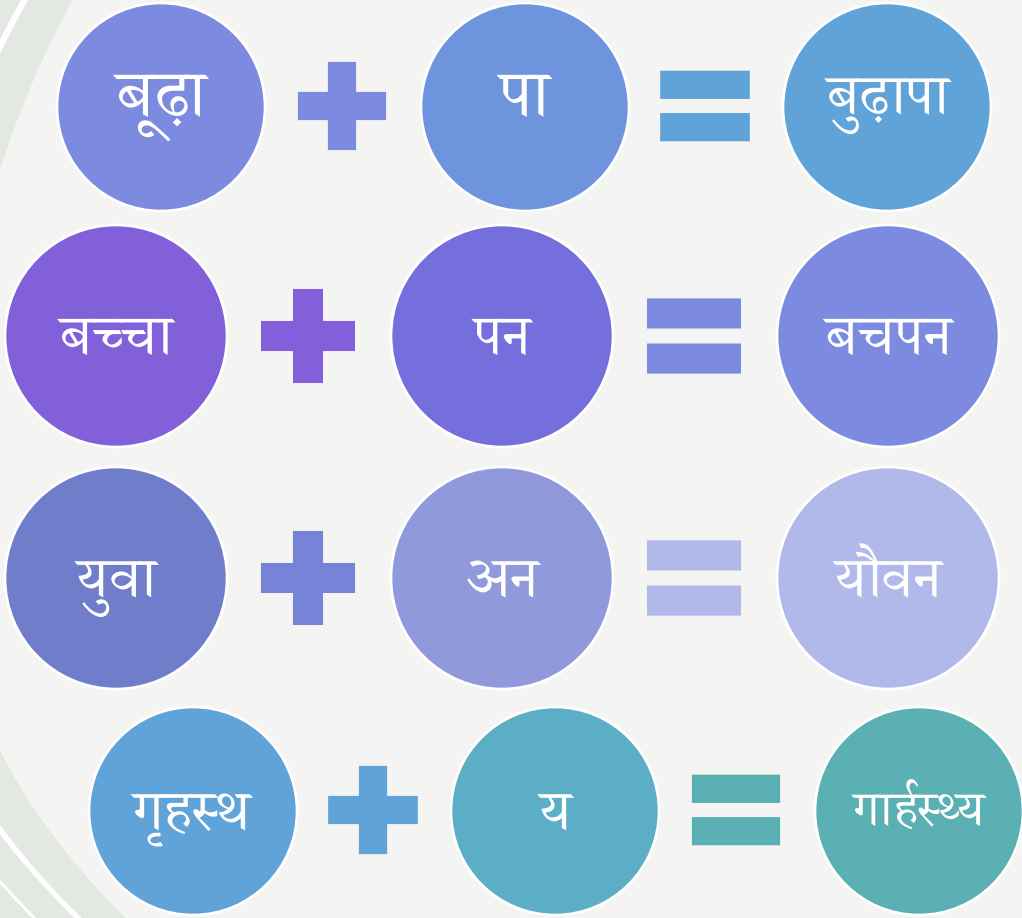

# सर्वनाम से भाववाचक संज्ञा की रचना

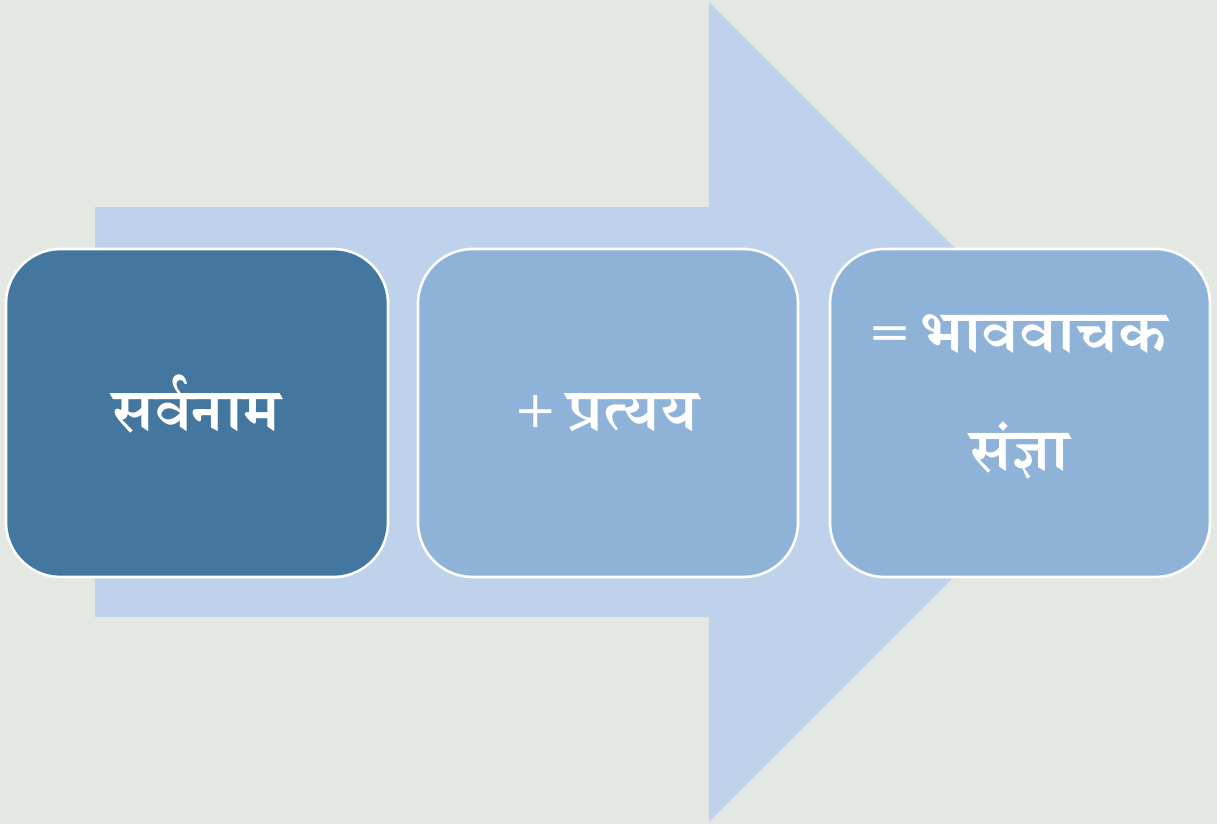


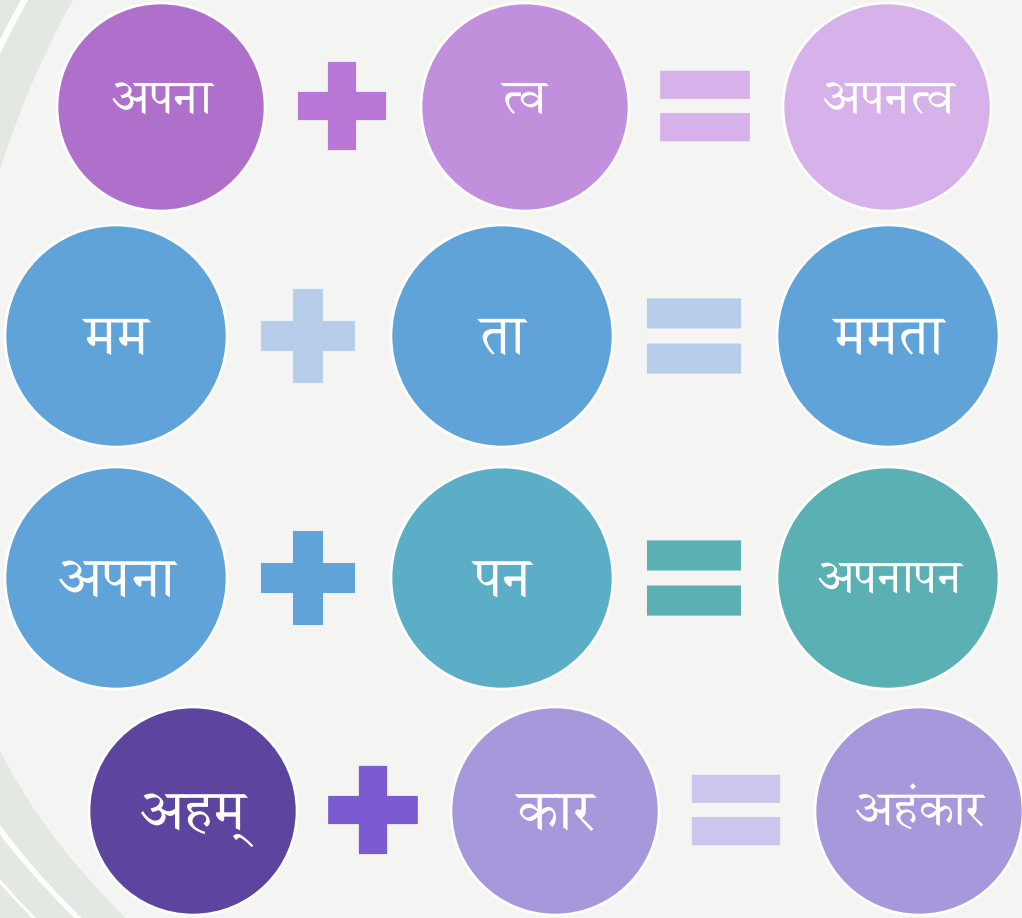

# विशेषण से भाववाचक संज्ञा की रचना

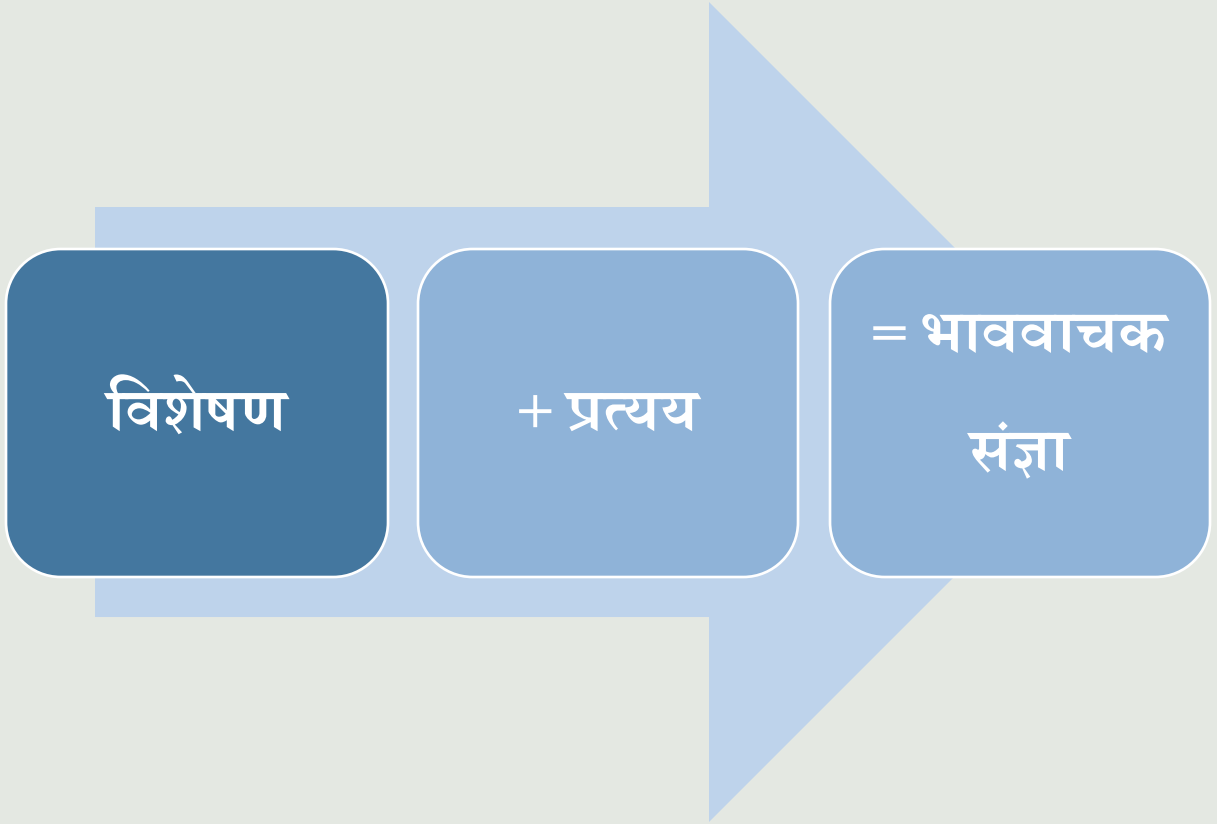


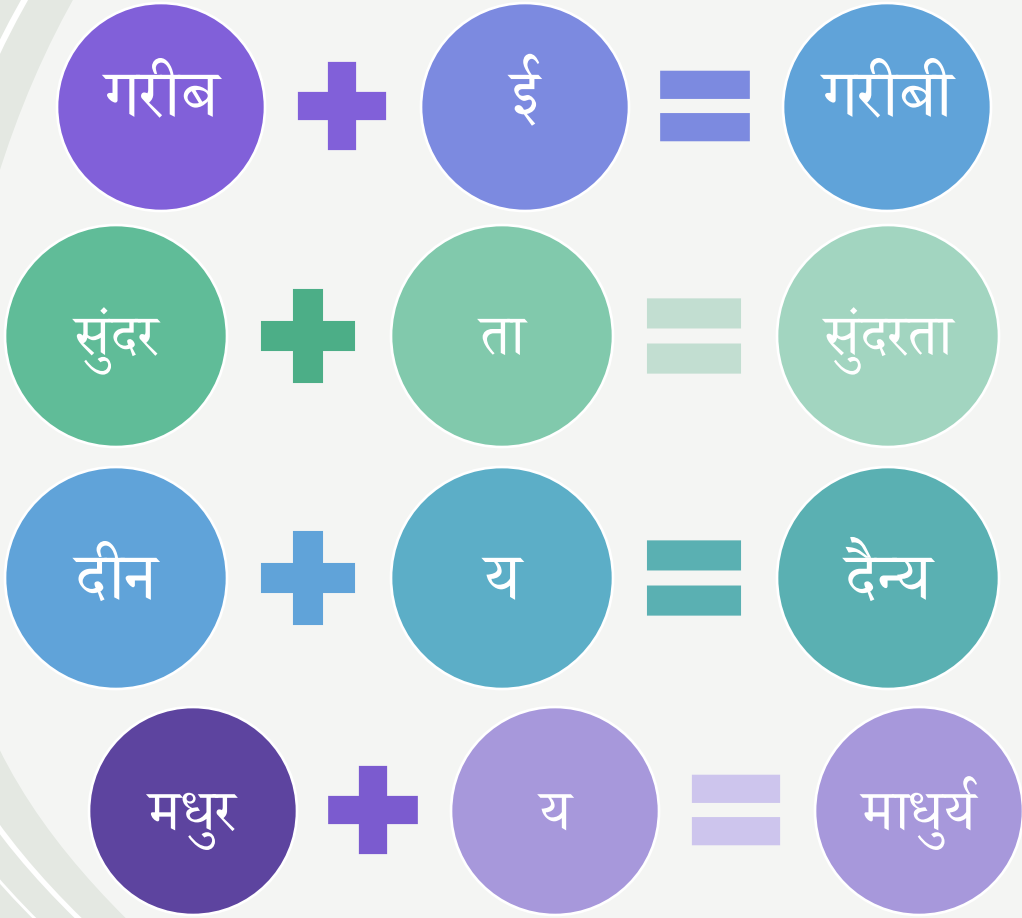

# क्रिया से भाववाचक संज्ञा की रचना

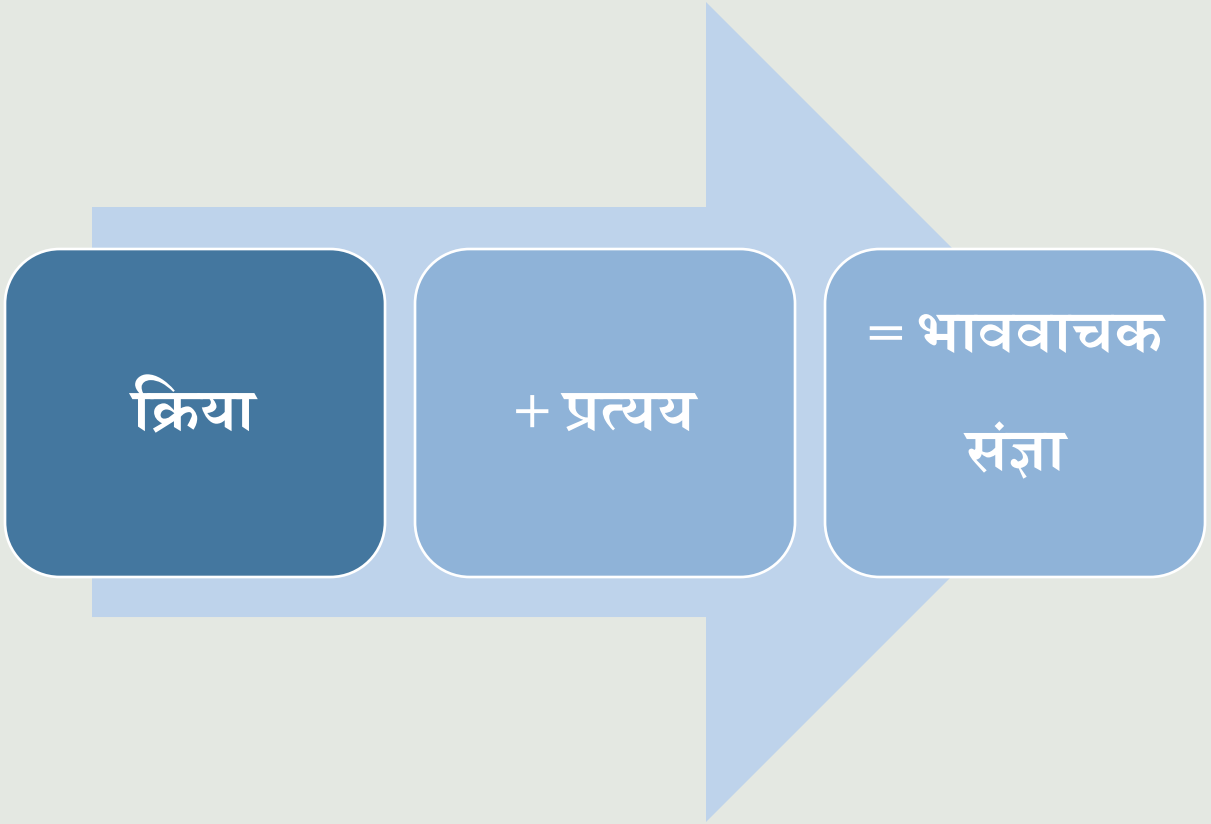


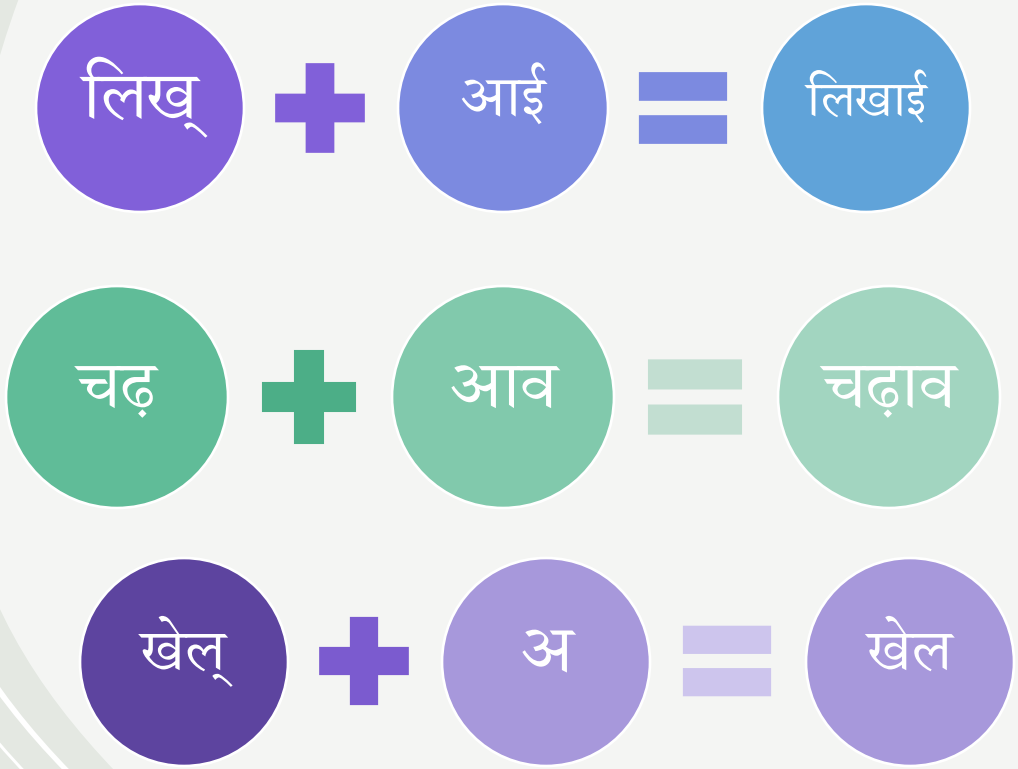

# धन्यवाद

## संदर्भ ग्रंथ - References:


1. ebooks.inflibnet.ac.in. (n.d.). *भाषा की परिभाषा और स्वरूप – भाषाविज्ञान*. [online] Available at: https://ebooks.inflibnet.ac.in/hinp09/chapter/20/.
2. https://ia801505.us.archive.org/19/items/in.ernet.dli.2015.400368/2015.400368.Hindi-Vyakaran.pdf
3. हरदेव बाहरी, (१९९६). हिंदी:उद्भव, विकास और रूप. नई दिल्ली: किताब महल.



Dr. Tanuja Pudaruth Beeharry
Lecturer,
Mahatma Gandhi Institute.

tanuja.pbeeharry@mgirti.ac.mu



"भाववाचक संज्ञा एवं रचना" by Dr. Tanuja Pudaruth Beeharry is licensed under CC BY-SA 4.0